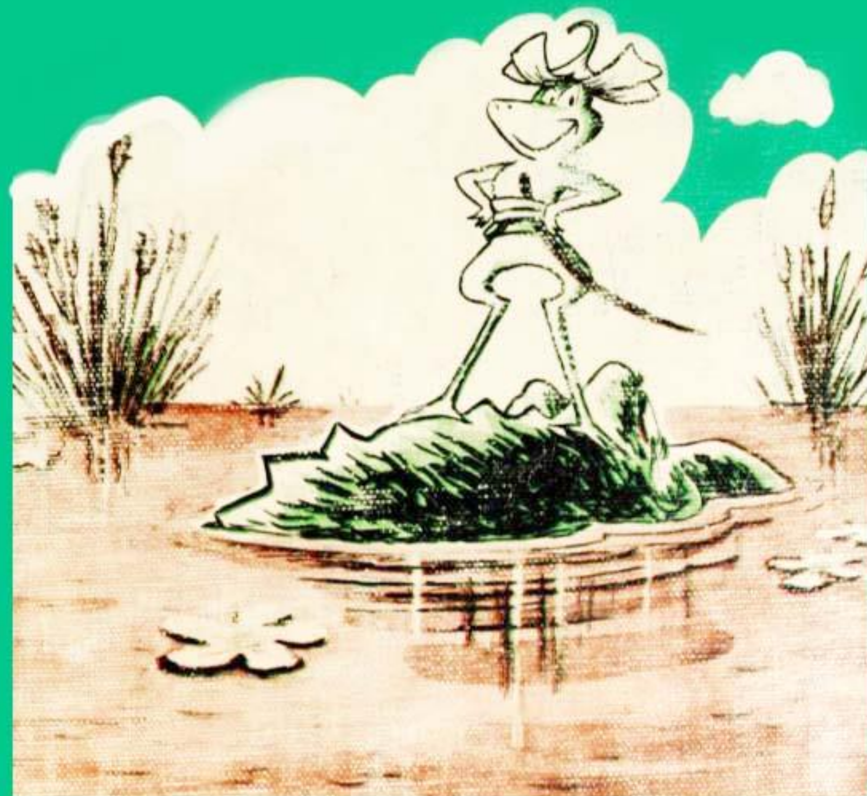
लट्ठा और
नौसेनाध्यक्ष मेंढक

बी. वाईसमैन



लट्ठा और नौसेनाध्यक्ष मेंढक

बी. वाईसमैन





दो मेंढकों ने पानी में एक लट्ठे को अपनी ओर आते देखा.

उन्हें वह लट्ठे जैसा ही दिखाई दे रहा था.

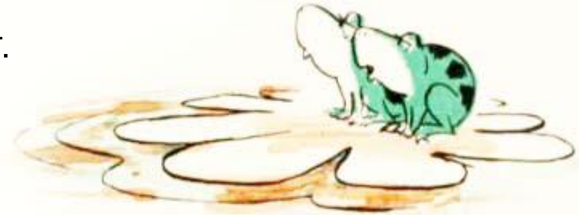


उन्होंने उसे अपने पास आने दिया क्योंकि लट्ठे काटते नहीं हैं

लेकिन तभी उन्हें एक पांव दिखाई दिया!

"मुझे नहीं पता था कि लट्ठों के पांव भी होते हैं!"

फ्रैडी मेंढक ने कहा.



"नहीं होते,"

जॉर्ज ने कहा,

"लट्ठों के पांव नहीं होते!"



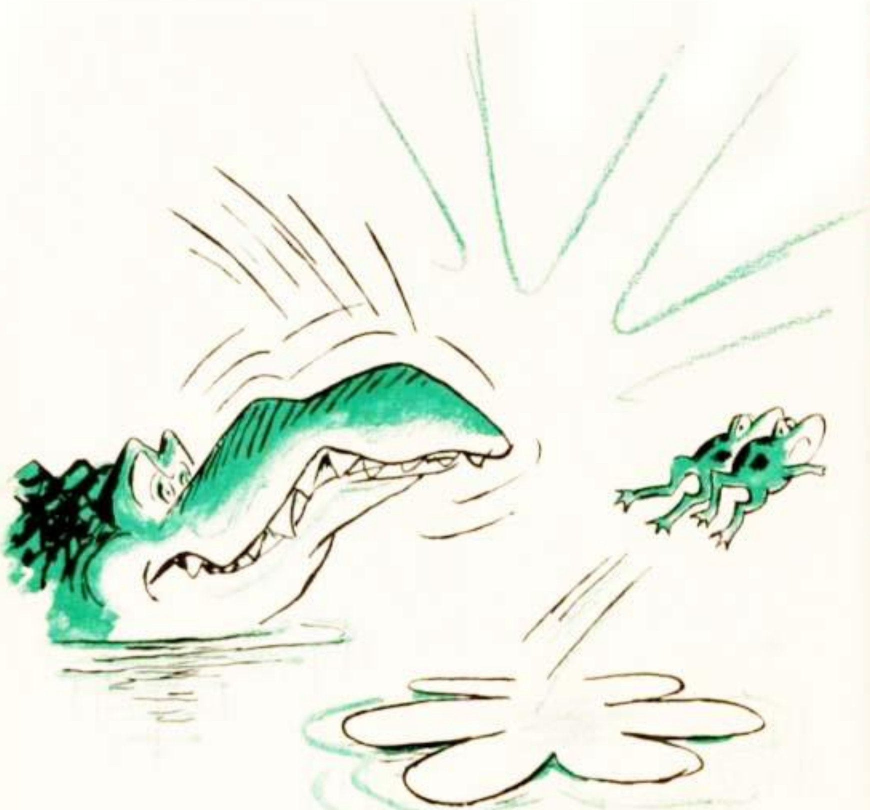
"भागो," फ्रैडी ने धीमी आवाज़ में कहा.

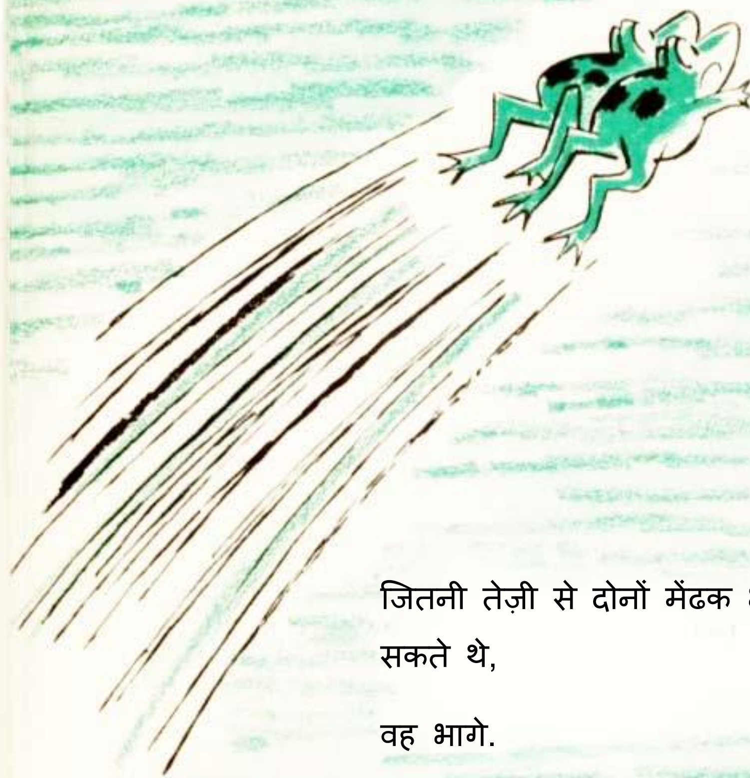
"मुझे यह लट्ठा ठीक दिखाई नहीं देता."



और जैसे ही वह कूदे.....ग्लॉप

उनके पीछे दो विशाल जबड़े आपस में टकराये!





जितनी तेज़ी से दोनों मेंढक भाग सकते थे,

वह भागे.

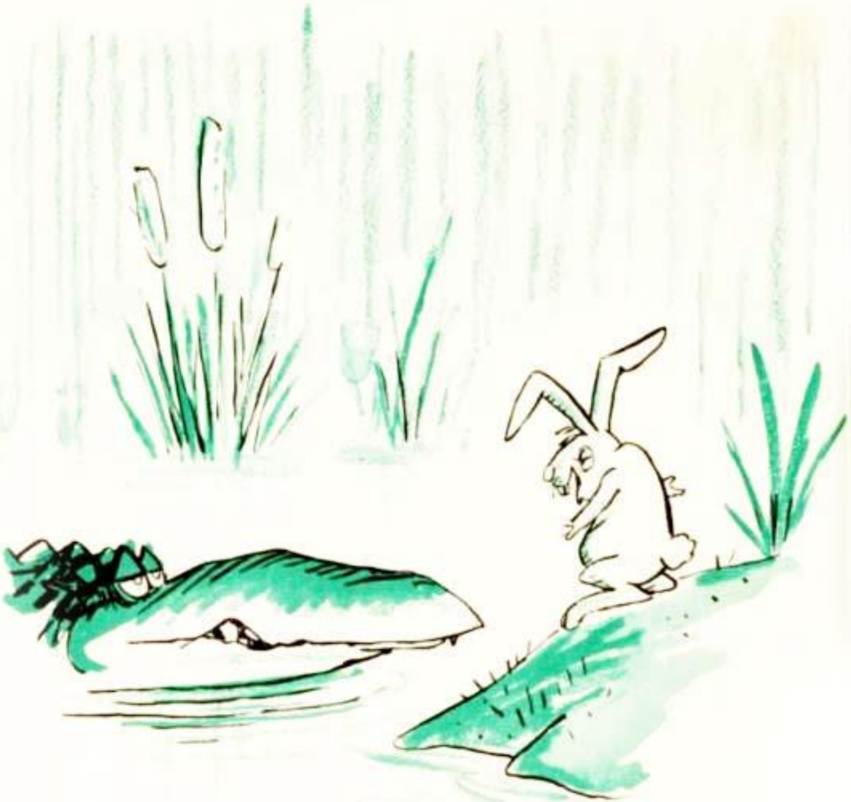
उन्होंने औरों को बताया.



एक बूढ़े खरगोश ने कहा,

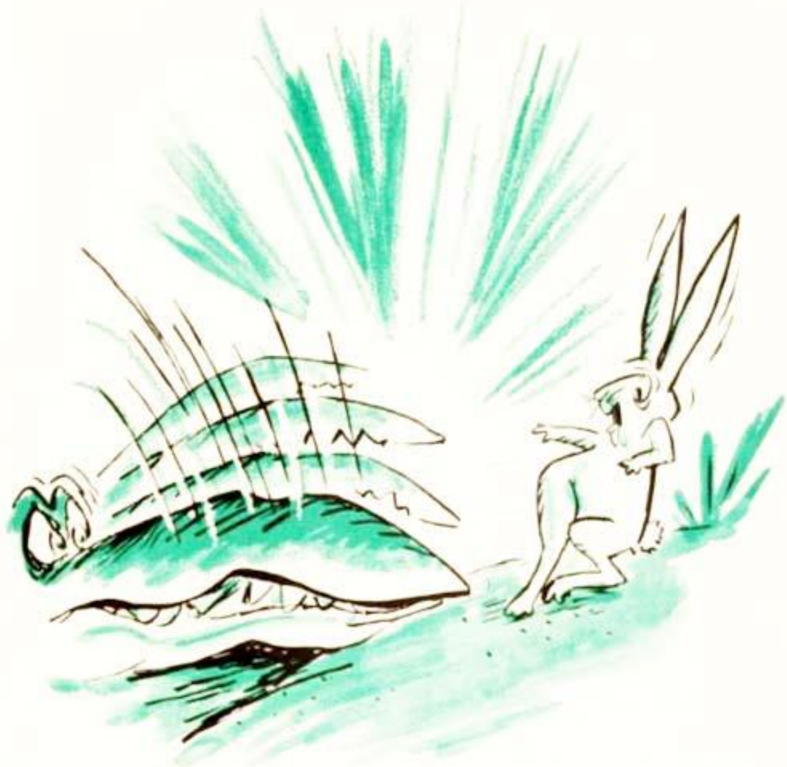
“हमें उस लट्ठे से बात करनी पड़ेगी

और उससे मित्रता करनी होगी.”



और वह पानी के निकट आया और बोला,

“आओ, हम मित्र बन जाएं!”



लट्ठे ने अपने जबड़े ऐसे खोले जैसे कि वह कुछ कहने वाला था.

लेकिन, ग्लॉप!!!

कुछ कहने के बजाय खरगोश को खाने के लिए उसने झपटा मारा.

औरों न सब देख लिया.

“अब हम क्या कर सकते हैं?” वह सब चिल्लाये.

“लड़ो!” एक तीखी आवाज़ सुनाई दी.

यह आवाज़ एक युवा मेंढक की थी जिसे कोई न जानता था.





"लेकिन कैसे?" एक पक्षी ने पूछा.

"उसके नुकीले दांत हैं, नाखून हैं, और पूँछ है!"

युवा मेंढक ने कहा,

"मुझे अपनी नौसेना का अध्यक्ष बना लो और फिर देखो!"

"कौन सी नौसेना? किस के पास नौसेना है?" पक्षी चिल्लाया.

"अगर तुम मेरा कहा मानोगे तो तुम्हारी अपनी नौसेना होगी,"

युवा मेंढक ने विश्वास दिलाया.

पक्षी और अन्य सब पशुओं ने आपस में बात की.

उन्होंने उसे नौसेनाध्यक्ष बनाने का निर्णय लिया.

युवा मेंढक ने एक पत्ता लिया और उस पत्ते से

नौसेनाध्यक्ष की हैट बना ली.



घास से उसने अपनी बैल्ट बना ली

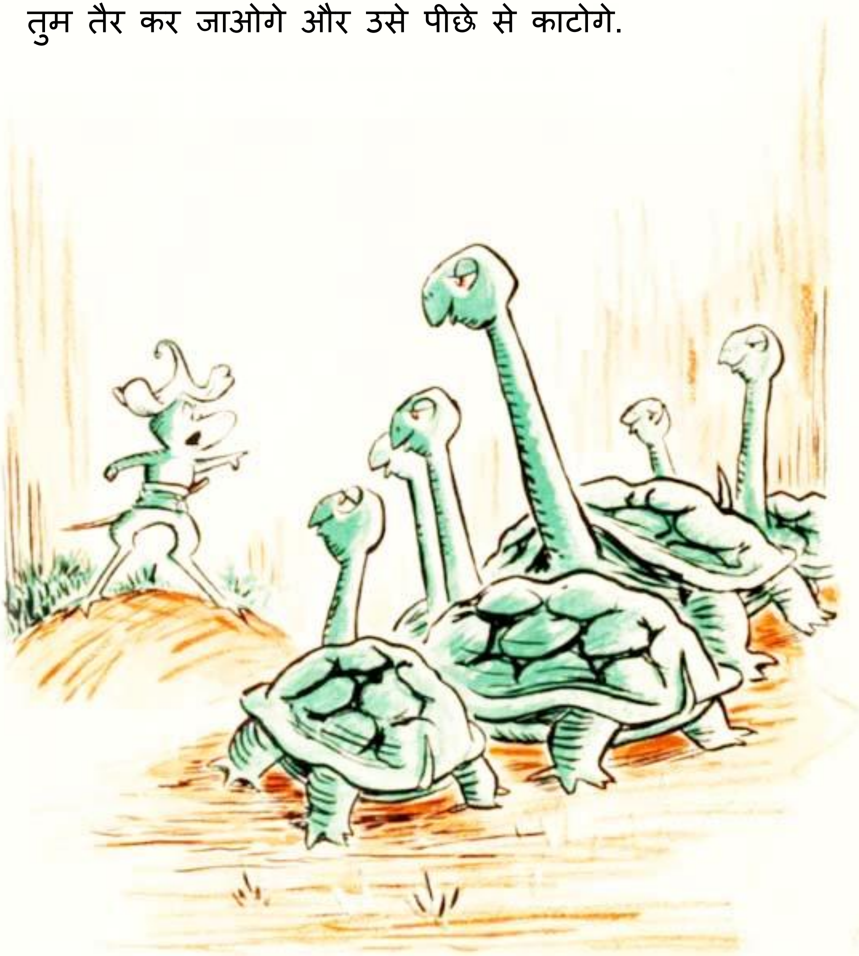
और एक छड़ी उसकी तलवार बन गई.

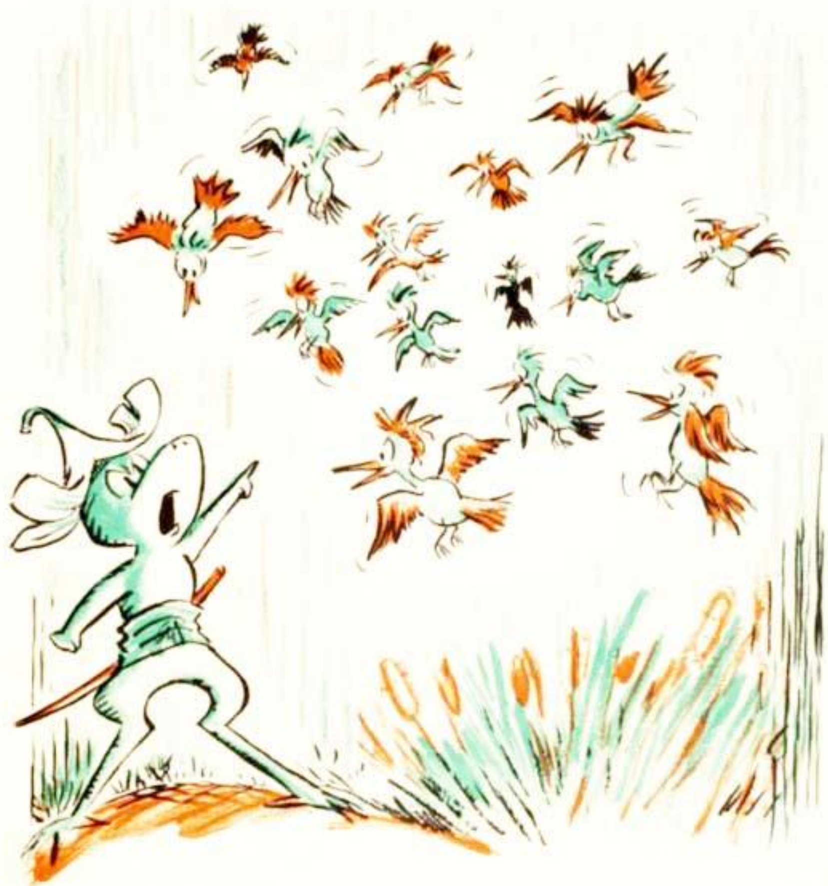


फिर उसने सब को एक साथ बुलाया.

“तुम कछुए,” उसने कहा, “अब हमारी सेना के जहाज़ हो!

तुम तैर कर जाओगे और उसे पीछे से काटोगे.





“और तुम छोटे पक्षी हमारे लड़ाकू विमान हो!

तुम तेज़ी से नीचे उड़ान भरोगे और

उस पर चोंचों से हमला करोगे.

“तुम मछलियाँ हमारी पनडुब्बियाँ हो!

तुम नीचे से उसे काटोगी!

और तुम,” उसने बड़े पक्षियों से कहा, “बमवर्षक वायुयान हो!

उसके सिर पर गिराने के लिए तुम

बड़े पत्थर उठा कर ले जाना.”





“सब बीवर किनारे पर एक बांध बनायेंगे.

और स्कंक, तुम अपनी अश्रु गैस तैयार रखना-

तुम्हारा यही काम है! चलो, सब मेरे पीछे आओ!”

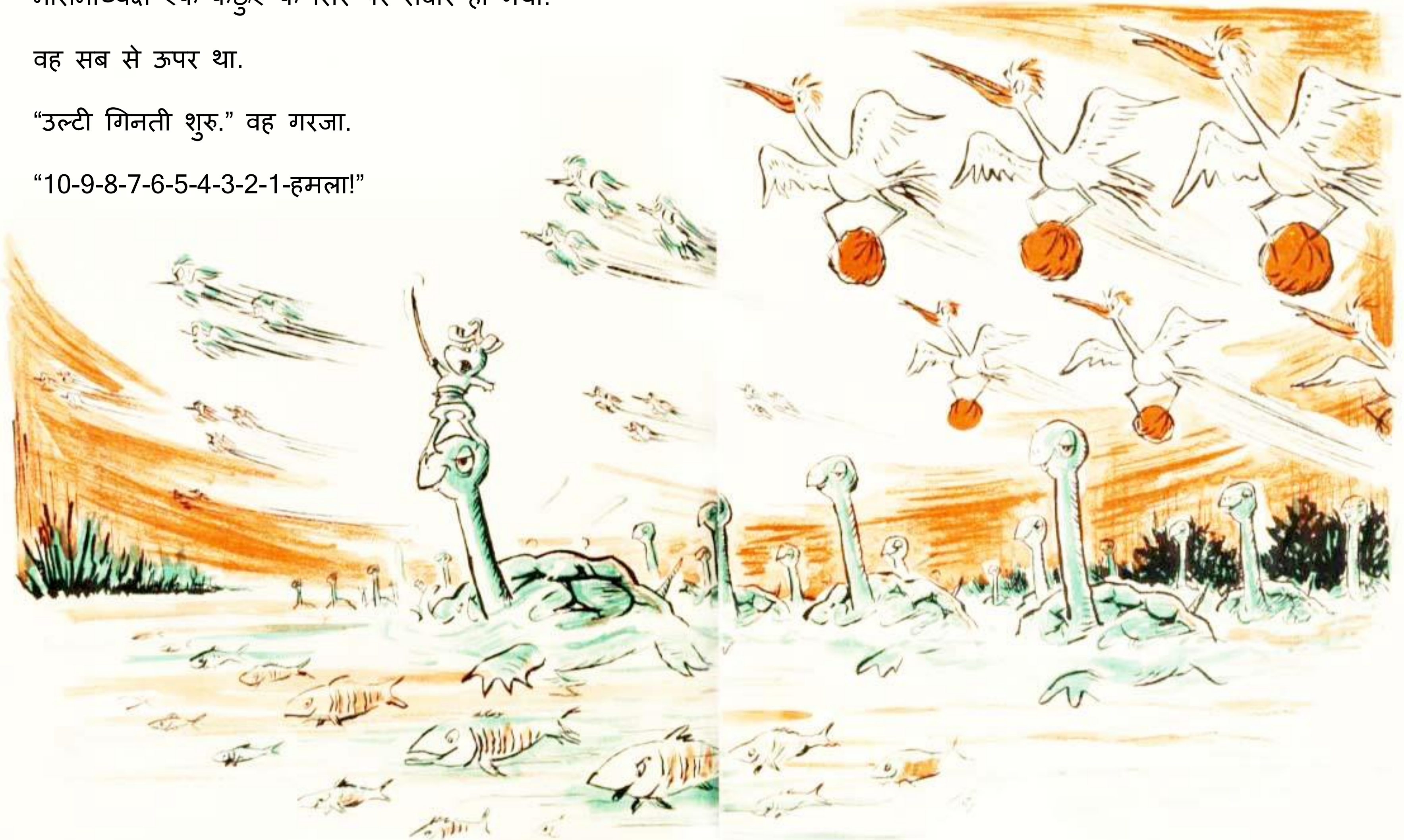


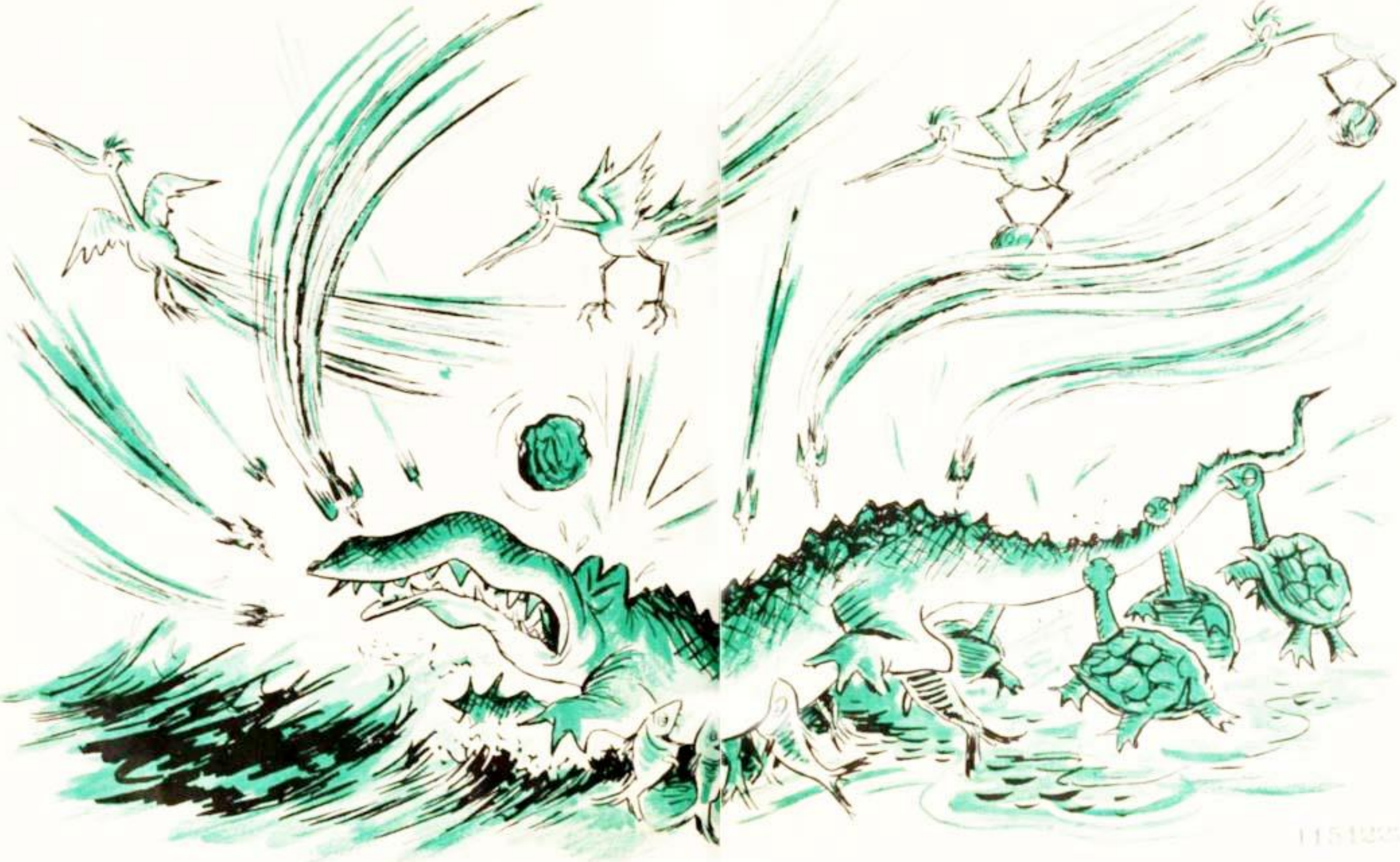
नौसेनाध्यक्ष एक कछुए के सिर पर सवार हो गया.

वह सब से ऊपर था.

“उल्टी गिनती शुरु.” वह गरजा.

“10-9-8-7-6-5-4-3-2-1-हमला!”





लड़ाकू विमानों ने चोंचों से उसे काटा,

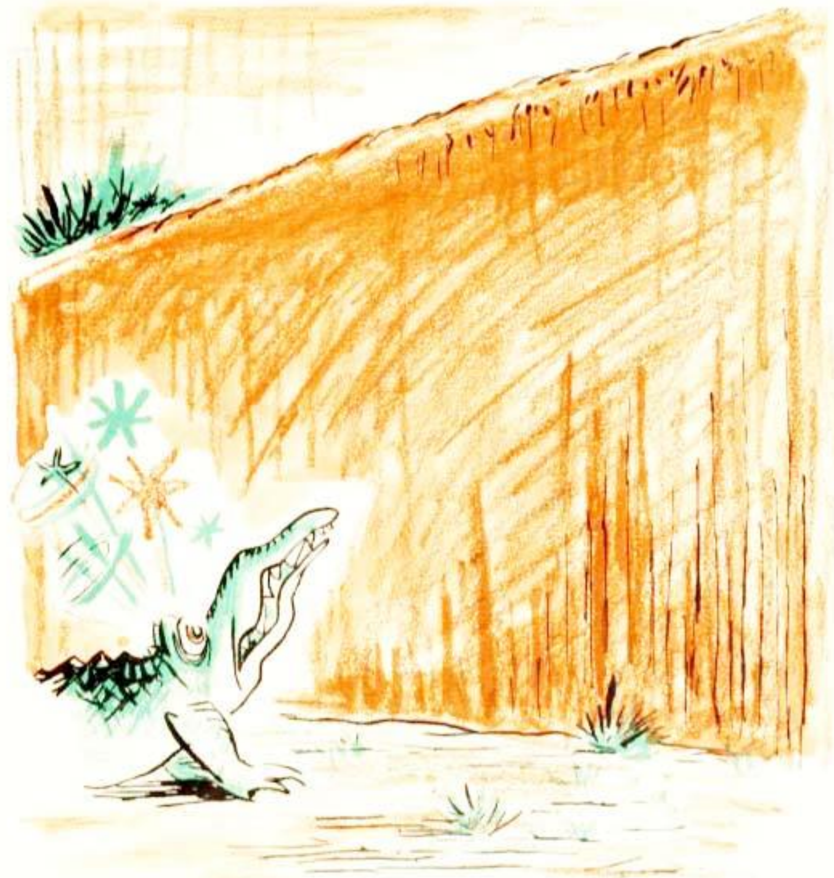
बमवर्षकों ने उस पर पत्थर गिराये.

पनडुब्बियों ने उसे नीचे से काटा

जबकि जहाज़ों ने पीछे से काटा.



उसे दिन में तारे दिखाई देने लगे और वह किनारे की ओर तेज़ी से चल दिया, ताकि पानी से बाहर आकर कहीं छिप जाये.



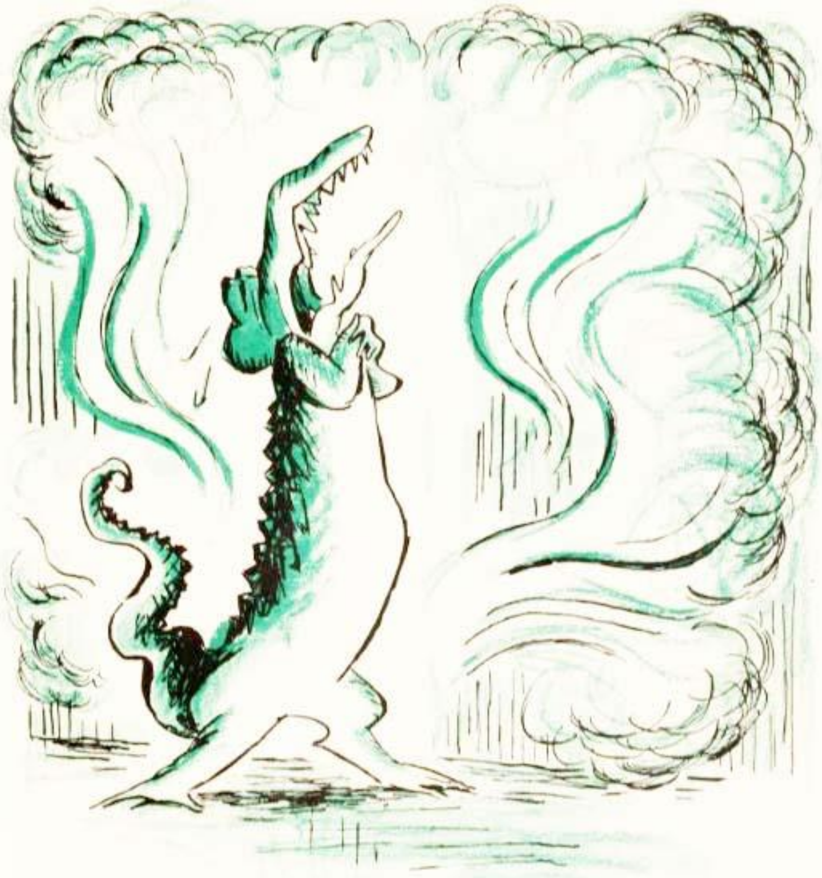
लेकिन वहाँ किनारे पर एक ऊँची दीवार थी जिसे बीवरों ने बनाया था!



तभी चार स्कंक वहाँ आ गये और-वूऊऊऊश!

वह संसार का सबसे बदबूदार प्राणी था!

(स्कंक ऐसा कर सकते हैं!)



“रुको, प्लीज़, रुको!” वह चिल्लाया.

“तुम जो भी कहोगे मैं करूंगा!”



"ठीक है," नौसेनाध्यक्ष ने कहा.

"फिर वचन दो:

जितनी दूर तुम जा सकते हो उतनी दूर तुम चले जाओगे

और फिर कभी यहाँ लौट कर न आओगे!"

"मैं वचन देता हूँ!" उसने चिल्ला कर कहा.

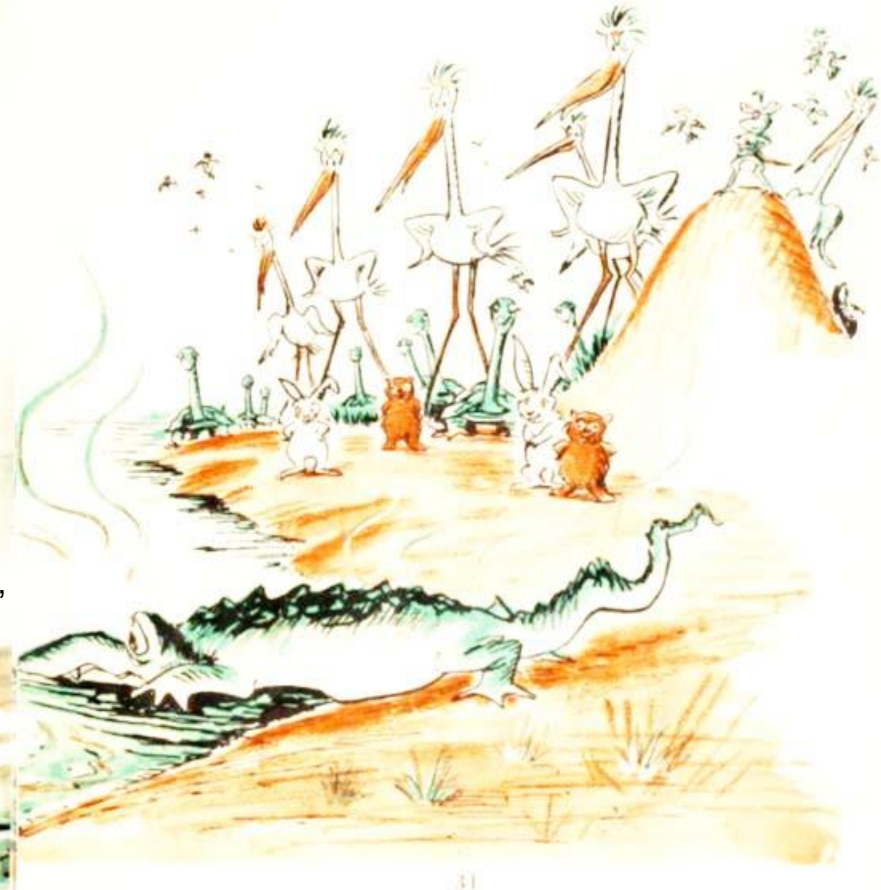
"ओह, निश्चय ही लौट कर न आऊँगा! अब मैं जाऊँ श्रीमान? प्लीज़?"



"हाँ, जाओ!" नौसेनाध्यक्ष गरजा.

वह रेंगता हुआ पानी में चला गया-थका-हारा, बदबू से भरा हुआ,

पछताता हुआ कि वह यहाँ आया ही क्यों था- और........



एक लट्ठे समान पानी में
तैरता हुआ-दूर चला गया.

